

Brahma Chalisa in Hindi

ब्रह्म चालीसा

॥ दोहा ॥

जय ब्रह्मा जय स्वयम्भू, चतुरानन सुखमूल।
करहु कृपा निज दास पै, रहहु सदा अनुकूल ॥
तुम सृजक ब्रह्माण्ड के, अज विधि घाता नाम।
विश्वविधाता कीजिये, जन पै कृपा ललाम ॥

॥ चौपाई ॥

जय जय कमलासान जगमूला।
रहहु सदा जनपै अनुकूला ॥
रूप चतुर्भुज परम सुहावन।
तुम्हें अहैं चतुर्दिक आनन ॥
रक्तवर्ण तव सुभग शरीरा।
मस्तक जटाजुट गंभीरा ॥
ताके ऊपर मुकुट बिराजै।
दाढ़ी श्वेत महाछवि छाजै ॥

श्वेतवस्त्र धारे तुम सुन्दर।
है यज्ञोपवीत अति मनहर ॥

कानन कुण्डल सुभग बिराजहिं।
गल मोतिन की माला राजहिं ॥

चारिहु वेद तुम्हीं प्रगटाये।
दिव्य ज्ञान त्रिभुवनहिं सिखाये ॥

ब्रह्मलोक शुभ धाम तुम्हारा।
अखिल भुवन महँ यश बिस्तारा ॥

अर्द्धांगिनि तव है सावित्री।
अपर नाम हिये गायत्री ॥

सरस्वती तब सुता मनोहर।
वीणा वादिनि सब विधि मुन्दर ॥

कमलासन पर रहे बिराजे।
तुम हरिभक्ति साज सब साजे ॥

क्षीर सिन्धु सोवत सुरभूपा।
नाभि कमल भो प्रगट अनूपा ॥

तेहि पर तुम आसीन कृपाला।
सदा करहु सन्तन प्रतिपाला ॥

एक बार की कथा प्रचारी।
तुम कहँ मोह भयेउ मन भारी ॥

कमलासन लखि कीन्ह बिचारा।
और न कोउ अहै संसारा ॥

तब तुम कमलनाल गहि लीन्हा।
अन्त बिलोकन कर प्रण कीन्हा ॥

कोटिक वर्ष गये यहि भांती।
भ्रमत भ्रमत बीते दिन राती ॥

पै तुम ताकर अन्त न पाये।
हवै निराश अतिशय दुःखियाये ॥

पुनि बिचार मन महँ यह कीन्हा।
महापघ यह अति प्राचीन ॥

याको जन्म भयो को कारन।
तबहीं मोहि करयो यह धारन॥

अखिल भुवन महँ कहँ कोई नाहीं।
सब कुछ अहै निहित मो माहीं॥
यह निश्चय करि गरब बढ़ायो।
निज कहँ ब्रह्म मानि सुखपाये॥

गगन गिरा तब भई गंभीरा।
ब्रह्मा वचन सुनहु धरि धीरा॥
सकल सृष्टि कर स्वामी जोई।
ब्रह्म अनादि अलख है सोई॥

निज इच्छा इन सब निरमाये।
ब्रह्मा विष्णु महेश बनाये॥

सृष्टि लागि प्रगटे त्रयदेवा।
सब जग इनकी करिहै सेवा॥

महापघ जो तुम्हरो आसन।
ता पै अहै विष्णु को शासन ॥
विष्णु नाभितें प्रगट्यो आई।
तुम कहँ सत्य दीन्ह समुझाई ॥

भैतहू जाई विष्णु हितमानी।
यह कहि बन्द भई नभवानी ॥
ताहि श्रवण कहि अचरज माना।
पुनि चतुरानन कीन्ह पयाना ॥
कमल नाल धरि नीचे आवा।
तहां विष्णु के दर्शन पावा ॥
शयन करत देखे सुरभूपा।
श्यायमवर्ण तनु परम अनूपा ॥
सोहत चतुर्भुजा अतिसुन्दर।
क्रीटमुकट राजत मस्तक पर ॥

गल बैजन्ती माल बिराजै।
कोटि सूर्य की शोभा लाजै ॥

शंख चक्र अरु गदा मनोहर।
शेष नाग शय्या अति मनहर ॥

दिव्यरुप लखि कीन्ह प्रणाम्।
हर्षित भे श्रीपति सुख धाम् ॥

बहु विधि विनय कीन्ह चतुरानन।
तब लक्ष्मी पति कहेउ मुदित मन ॥

ब्रह्मा दूरि करहु अभिमाना।
ब्रह्मारुप हम दोउ समाना ॥

तीजे श्री शिवशंकर आहीं।
ब्रह्मरुप सब त्रिभुवन मांही ॥

तुम सों होई सृष्टि विस्तारा।
हम पालन करिहैं संसारा ॥

शिव संहार करहिं सब केरा।
हम तीनहुं कहँ काज धनेरा ॥

अगुणरुप श्री ब्रह्मा बखानहु।
निराकार तिनकहँ तुम जानहु ॥

हम साकार रुप त्रयदेवा।
करिहँ सदा ब्रह्म की सेवा ॥

यह सुनि ब्रह्मा परम सिहाये।
परब्रह्म के यश अति गाये ॥

सो सब विदित वेद के नामा।
मुक्ति रुप सो परम ललामा ॥

यहि विधि प्रभु भो जनम तुम्हारा।
पुनि तुम प्रगट कीन्ह संसारा ॥

नाम पितामह सुन्दर पायेउ।
जड़ चेतन सब कहँ निरमायेउ ॥

लीन्ह अनेक बार अवतारा।
सुन्दर सुयश जगत विस्तारा ॥
देवदनुज सब तुम कहँ ध्यावहिं।
मनवांछित तुम सन सब पावहिं ॥

जो कोउ ध्यान धरै नर नारी।
ताकी आस पुजावहु सारी ॥

पुष्कर तीर्थ परम सुखदाई।
तहँ तुम बसहु सदा सुरराई ॥

कुण्ड नहाइ करहि जो पूजन।
ता कर दूर होई सब दूषण ॥

Brahma Chalisa in English

॥ Doha ॥

Jai Brahma Jai Svayambhu,
Chaturanan Sukhamul |
Karahu Krpa Nij Das Pai,
Rahahu Sada Anukul |

Tum Srjak Brahmand Ke,
Aj Vidhi Ghata Nam |
Vishvavidhata Kijiye,
Jan Pai Krpa Lalam |

॥ Chaupai ॥

Jai Jai Kamalasan Jagamula,
Rahahu Sada Janapai Anukula |
Rup Chaturbhuj Param Suhavan,
Tumhen Ahain Chaturdik Anan |

Raktavarn Tav Subhag Sharira,
Mastak Jatajut Gambhira |
Take Upar Mukut Virajai,
Dadhi Shvet Mahachhavi Chhajai |

Shvetavastr Dhare Tum Sundar,
Hai Yagyopavit Ati Manahar |
Kanan Kundal Subhag Virajahin,
Gal Motin Ki Mala Rajahin |

Charihu Ved Tumhin Pragataye,
Divy Gyan Tribhuvanahin Sikhaye |
Brahmalok Shubh Dham Tumhara,
Akhil Bhuvan Mahan Yash Vistara |

Arddhagini Tav Hai Savitri,
Apar Nam Hiye Gayatri |
Sarasvati Tab Suta Manohar,
Vina Vadini Sab Vidhi Mundar |

Kamalasan Par Rahe Viraje,
Tum Haribhakti Saj Sab Saje |
Kshir Sindhu Sovat Surabhupa,
Nabhi Kamal Bho Pragat Anupa |

Tehi Par Tum Asin Krpala,
Sada Karahu Santan Pratipala |
Ek Bar Ki Katha Prachari,
Tum Kahan Moh Bhayeu Man Bhari |

Kamalasan Lakhi Kinh Bichara,
Aur Na Kou Ahai Sansara |
Tab Tum Kamalanal Gahi Linha,
Ant Vilokan Kar Pran Kinha |

Kotik Varsh Gaye Yah Bhanti,
Bhramat Bhramat Bite Din Rati |
Pai Tum Takar Ant Na Paye,
Hvai Nirash Atishay Duhkhiyaye |

Puni Bichar Man Mahan Yah Kinha
Mahapagh Yah Ati Prachin |

Yako Janm Bhayo Ko Karan,
Tabahin Mohi Karayo Yah Dharan |

Akhil Bhuvan Mahan Kahan Koi Nahin,
Sab Kuchh Ahai Nihit Mo Mahin |
Yah Nishchay Kari Garab Badhayo,
Nij Kahan Brahm Mani Sukhapaye |

Gagan Gira Tab Bhi Gambhira,
Brahma Vachan Sunahu Dhari Dhira |
Sakal Srshti Kar Svami Joi,
Brahm Anadi Alakh Hai Soi |

Nij Ichchha In Sab Niramaye,
Brahma Vishnu Mahesh Banaye |
Srshti Lagi Pragate Trayadeva,
Sab Jag Inaki Karihai Seva |

Mahapagh Jo Tumharo Asan,
Ta Pai Ahai Vishnu Ko Shasan |
Vishnu Nabhiten Pragatyo Ai,
Tum Kahan Saty Dinh Samujhai |

Bhaitahu Jai Vishnu Hitamani,
Yah Kahi Band Bhi Nabhavani |
Tahi Shravan Kahi Acharaj Mana,
Puni Chaturanan Kinh Payana |
Kamal Nal Dhari Niche Ava,
Tahan Vishnu Ke Darshan Pava |

Shayan Karat Dekhe Surabhupa,
Shyayamavarn Tanu Param Anupa |

Sohat Chaturbhuja Atisundar,
Kritamukat Rajat Mastak Par |
Gal Baijanti Mal Virajai,
Koti Sury Ki Shobha Lajai |

Shankh Chakr Aru Gada Manohar,
Pagh Nag Shayya Ati Manahar |
Divyarup Lakhi Kinh Pranamu,
Harshit Bhe Shripati Sukh Dhamu |

Bahu Vidhi Vinay Kinh Chaturanam,
Tab Lakshmi Pati Kaheu Mudit Man |
Brahma Duri Karahu Abhimana,
Brahmarup Ham Dou Samana |

Tije Shri Shivashankar Ahin,
Brahmarup Sab Tribhuvan Manhi |
Tum Son Hoi Srshti Vistara,
Ham Palan Karihain Sansara |

Shiv Sanhar Karahin Sab Kera,
Ham Tinahun Kahan Kaj Ghanera |
Agunarup Shri Brahma Bakhanahu,
Nirakar Tinakahan Tum Janahu |

Ham Sakar Rup Trayadeva,
Karihain Sada Brahm Ki Seva |
Yah Suni Brahma Param Sihaye,
Parabrahm Ke Yash Ati Gaye |

So Sab Vidit Ved Ke Nama,
Mukti Rup So Param Lalama |
Yahi Vidhi Prabhu Bho Janam Tumhara,
Puni Tum Pragat Kinh Sansara |

Nam Pitamah Sundar Payeu,
Jad Chetan Sab Kahan Niramayeu |
Linh Anek Bar Avatara,
Sundar Suyash Jagat Vistara |

Devadanuj Sab Tum Kahan Dhyavahin,
Manavanchhit Tum San Sab Pavahin |
Jo Kou Dhyan Dharai Nar Nari,
Taki As Pujavahu Sari |

Pushkar Tirth Param Sukhadai,
Tahan Tum Basahu Sada Surarai |
Kund Nahai Karahi Jo Pujan,
Ta Kar Dur Hoi Sab Dushan |